Scales of Measurement

Camlin Page
Date / /

अनुपातिक मापन (Ratio Measurement)

यह मापन सर्वाधिक परिमार्जित स्तर का मापन है। इस मापन मे अन्तरित मापन के सभी गुणों के साथ-साथ परम शून्य (Absolute zero) या वास्तविक शून्य (True zero) की संकल्पना निहित रहती है।
परम शून्य वह स्थिति है जिस पर कोई गुण पूर्ण रूपेण अस्तित्व विहीन हो जाता है। जैसे लम्बाई, भार या दूरी का मापन आनुपातिक मापन है। जैसे

60 kg भारवाले व्यक्ति को 30 kg भार वाले व्यक्तियों से दो गुणा भार वाला व्यक्ति कहा जा सकता है। परन्तु 140 बुद्धि लब्धि (I.Q) वाले व्यक्ति को 70 बुद्धि लब्धि (I.Q) वाले व्यक्ति से दो गुना बुद्धिमान कहना तर्क संगत नहीं होगा। वास्तव मे 30 kg 30-30 kg वाले अगर दो व्यक्ति भार की दृष्टि से 60 kg भार वाले व्यक्ति के समान हो जायेंगे But सत्तर सत्तर बुद्धि लब्धि (I.Q) वाले दो व्यक्ति मिलकर भी 140 बुद्धि लब्धि (I.Q) वाले व्यक्ति के समान बुद्धिमान नहीं हो सकते हैं। इसमें जोड़ +, घटाव -, गुणा (×), भाग (÷) की चारों मूल गणितीय संक्रियाएँ की जा सकती है। लम्बाई, भार, दूरी जैसे चरों के मापन के समय हम ऐसी शून्य बिन्दु की कल्पना कर सकते हैं।

Dr. Shyam Bihari Choudhary
Deptt of Education (Assst. Prof.)
MMHAPU